1080516 - B1

विद्यार्थी उत्तर-पुस्तिका में मुख पृष्ठ पर कोड नं. अवश्य लिखें।

Class - X
कक्षा - X

HINDI
हिन्दी

(Course B)
(पाठ्यक्रम ब)

निर्धारित समय : **3** घंटे] [अधिकतम अंक : **80**

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **11** हैं।
- प्रश्न-पत्र में बाएँ हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **18** प्रश्न हैं।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए **15** मिनट का समय दिया गया है। इस अवधि के दौरान छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

निर्देश :

(i) इस प्रश्न-पत्र के **चार** खंड हैं — **क, ख, ग** और **घ**।

(ii) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।

(iii) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमानुसार दीजिए।

खंड-'क'

1. अपठित गद्यांश **5**

शहादत और मौन - मूक। जिस शहादत को शोहरत मिली, जिस बलिदान को प्रसिद्धि प्राप्त हुई, वह इमारत का कंगूरा है - मंदिर का कलश है । हाँ, शहादत और मौन मूक ! समाज की आधारशिला यही होती है। ईसा की शहादत ने ईसाई धर्म को अमर बना दिया, आप कह लीजिए। किंतु मेरी समझ से ईसाई धर्म का अमर बनाया उन लोगों ने, जिन्होंने उस धर्म के प्रचार में अपने को अनाम उत्सर्ग कर दिया। उनमें से कितने जिंदा जलाए गए, कितने सूली पर चढ़ाए गए, कितने वन- वन की खाक छानते जंगली जानवरों के शिकार हुए, कितने उससे भी भयानक भूख - प्यास के शिकार हुए। उनके नाम शायद ही कहीं लिखे गए हों - उनकी चर्चा शायद ही कहीं होती हो। किंतु ईसाई धर्म उन्हीं के पुण्य - प्रताप से फल - फूल रहा है। वे नींव की ईंट थे, गिरजाघर के कलश उन्हीं की शहादत से चमकते हैं। आज हमारा देश आज़ाद हुआ सिर्फ़ उनके बलिदानों के कारण नहीं, जिन्होंने इतिहास में स्थान पा लिया है। हम जिसे देख नहीं सकें, वह सत्य नहीं हैं, यह है मूढ़ धारणा ! ढूँढने से ही सत्य मिलता है। हमारा काम है, धर्म है, ऐसी नींव की ईंटों की ओर ध्यान देना । सदियों के बाद नए समाज की सृष्टि की ओर हमने पहला कदम बढ़ाया है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर सही विकल्प को चुनकर लिखिए।

(क) उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक हो सकता है : **1**

(i) नींव की ईंट (ii) शहादत

(iii) बलिदान (iv) त्याग

(ख) बलिदान की प्रसिद्धि किसे प्राप्त होती है ? **1**

(i) इमारत को (ii) इमारत की ईंटों को

(iii) इमारत के कंगूरों को (iv) इमारत की सुंदरता को

(ग) शहादत और मौन मूक आधारशिला होते हैं ? **1**

(i) व्यक्ति विशेष की (ii) समाज की

(iii) नारी की (iv) पुरुष की

(घ) ईसाई धर्म को अमर बनाया : **1**

(i) लोगों के अनाम उत्सर्ग ने (ii) समाज ने प्रचार करके

(iii) ईसा के बलिदान ने (iv) महात्मा गाँधी ने

(ङ) समाज - निर्माण के लिए नौजवानों की आवश्यकता है जो : **1**

(i) चुपचाप मिट जाएँ

(ii) स्वार्थ में लिप्त रहें

(iii) प्रसिद्धि पाने की ललक हो

(iv) लोक कल्याण के कार्य करें

2. अपठित गद्यांश : 5

मैं अपने देश का नागरिक हूँ और मानता हूँ कि मैं ही अपना देश हूँ। जैसे मैं अपने लाभ और सम्मान के लिए हरेक छोटी - छोटी बात पर ध्यान देता हूँ, वैसे ही मैं अपने देश के लाभ और सम्मान के लिए भी छोटी - छोटी बातों तक पर ध्यान दूँ, यह मेरा कर्तव्य है और जैसे मैं अपने सम्मान और साधनों से भी सहारा पाऊँ, यह मेरा अधिकार है। बात यह है कि मैं और मेरा देश दो अलग चीज़ तो हैं ही नहीं ! मैंने जो कुछ जीवन में अध्ययन और अनुभव से सीखा है, वह यही है कि महत्व किसी कार्य की विशालता में नहीं है, उस कार्य के करने की भावना में है। बड़े-से-बड़ा कार्य हीन है, यदि उसके पीछे अच्छी भावना नहीं है और छोटे-से-छोटा कार्य भी महान है, यदि उसके पीछे अच्छी भावना है। हमारे देश को दो बातों की सबसे ज्यादा जरूरत है। एक शक्ति बोध और दूसरा सौंदर्य बोध ।

(क) 'मैं' शब्द का प्रयोग हुआ है : 1

(i) व्यक्ति के लिए (ii) समाज के लिए

(iii) नेताओं के लिए (iv) लेखक के लिए

(ख) देश के सम्मान को बनाए रखने के लिए आवश्यकता है : 1

(i) बड़ी - बड़ी बातों पर ध्यान देने की (ii) छोटी - छोटी बातों पर ध्यान देने की

(iii) छोटी - बड़ी बातों पर ध्यान देने की (iv) लाभ - हानि पर ध्यान देने की

(ग) लेखक ने जीवन में सीखा : 1

(i) महत्व कार्य की विशालता में है (ii) महत्व कार्य करने की भावना में

(iii) महत्व कार्य की संक्षिप्तता में (iv) तीनों में से कोई नहीं

(घ) लेखक ने कार्य करने का महत्व सीखा : 1

(i) अध्ययन और अनुभव से (ii) कार्य की विशालता से

(iii) छोटी - बड़ी बातों से (iv) दूसरों से

(ङ) लेखक के अनुसार अलग चीज़ क्या नहीं है : 1

(i) मैं और मेरा देश (ii) मैं और मेरा राज्य

(iii) मैं और मेरा गाँव (iv) मैं और मेरा समाज

3. अपठित काव्यांश : 5

कुछ भी बन, बस कायर मत बन !
ठोकर मार, पटक मत माथा,
तेरी राह रोकते पाहन !
कुछ भी बन, बस कायर मत बन !
ले - दे कर जीना, क्या जीना ?

कब तक गम के आँसू पीना ?
मानवता ने सींचा तुझको
वहा युगों तक खून - पसीना !
कुछ न करेगा ? किया करेगा -
रे मनुष्य - बस कातर क्रंदन ?
कुछ भी बन, बस कायर मत बन ।
'युद्धं दहि' कहे जब पामर,
दे न दुहाई पीठ फेर कर !
या तो जीत प्रीति के बल पर,
या तेरा पथ चूमे तस्कर !
प्रतिहिंसा भी दुर्बलता है,
पर कायरता अधिक अपावन !
कुछ भी बन, बस कायर मत बन !

उपर्युक्त काव्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के विकल्पों में से उपयुक्त विकल्प छाँटकर लिखिए।

(क) कवि प्रेरणा दे रहा है - **1**

(i) कायर बनने की (ii) वीर बनने की
(iii) अकर्मण्य बनने की (iv) आलसी बनने की

(ख) कवि जीवन को व्यर्थ मानता है जो - **1**

(i) परिस्थितियों से समझौता करे (ii) परिस्थितियों को उत्पन्न करे
(iii) ऐश्वर्य भरा जीवन जिए (iv) दुख का बोझ सहे

(ग) साहसी मनुष्य में गुण होने चाहिए - **1**

(i) आत्मविश्वास (ii) अहंकार
(iii) स्वार्थ (iv) धोखा

(घ) 'पामर' का अर्थ है - **1**

(i) मित्र (ii) शत्रु
(iii) पापी (iv) वीर

(ङ) कायरता है - **1**

(i) पवित्र (ii) पावन
(iii) अपमान (iv) अपावन

4. अपठित काव्यांश : **5**

कहते आते थे यही अभी नरदेही,
'माता न कुमाता, पुत्र कुपुत्र भले ही ' ।
अब कहें सभी यह हाय ! विरुद्ध विधाता, -
' है पुत्र पुत्र ही, रहे कुमाता माता' ।
बस मैंने इसका बाह्य - मात्र ही देखा,
दृढ़ हृदय न देखा, मृदुल गात्र ही देखा ।
परमार्थ न देखा, पूर्ण स्वार्थ ही साधा,
इस कारण ही तो हाय आज यह बाधा ।
युग - युग तक चलती रहे कठोर कहानी -
'रघुकुल में भी थी एक अभागिन रानी।'
निज जन्म - जन्म में सुने जीव यह मेरा -
'धिक्कार ! उसे था महा स्वार्थ ने घेरा।'
'सौ बार धन्य वह एक लाल की माई,
जिस जननी ने है जना भरत - सा भाई।'
पागल - सी प्रभु के साथ सभा चिल्लाई
'सौ बार धन्य वह एक लाल की माई।'

उपयुर्क्त काव्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दिए गए विकल्पों में से छाँटकर लिखिए।

(क) रघुकुल की अभागिन रानी थी - **1**

(i) कौशल्या (ii) सुमित्रा
(iii) कैकेयी (iv) मंथरा

(ख) रानी को किसने आकर घेरा - **1**

(i) परमार्थ ने (ii) महास्वार्थ ने
(iii) अध्यात्म ने (iv) निः स्वार्थ ने

(ग) रानी का कौन - सा भाव प्रकट हो रहा है ? **1**

(i) पश्चाताप का (ii) खिन्नता का
(iii) प्रसन्नता का (iv) दुष्टता का

(घ) 'सौ बार धन्य वह एक लाल की माई ' किसने कहा ? **1**

(i) लक्ष्मण ने (ii) भरत ने
(iii) शत्रुघ्न ने (iv) राम ने

(ङ) प्रभु के साथ चिल्लाए - **1**

(i) कैकेयी (ii) सभा में उपस्थित लोग

(iii) भरत (iv) विश्वामित्र

खंड-'ख'

5. (i) निम्नलिखित में अविकारी है - **1**

(क) संज्ञा (ख) सर्वनाम

(ग) विशेषण (घ) समुच्चय बोधक

(ii) तालाब में लाल कमल खिल रहा है। रेखांकित को कहेंगे - **1**

(क) विशेषण (ख) पद

(ग) पदबंध (घ) विकारी शब्द

(iii) अध्यापक ने एक छोटी सी गाड़ी खरीदी। रेखांकित में पदबंध का भेद है - **1**

(क) संज्ञा (ख) सर्वनाम

(घ) क्रिया (घ) क्रिया विशेषण

(iv) वे धीरे - धीरे बोलते जा रहे थे। रेखांकित में पदबंध का भेद है - **1**

(क) विशेषण (ख) क्रिया

(ग) क्रिया विशेषण (घ) कोई नहीं

6. (i) उस मकान में एक साँप रहता है। रेखांकित पद का परिचय दीजिए । **1**

(क) जाति वाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, अधिकरण कारक

(ख) पुरुष वाचक सर्वनाम, बहुवचन पुल्लिंग, अपादान कारक

(ग) व्यकित वाचक संज्ञा, बहुवचन, पुल्लिंग, कर्म कारक

(घ) भाव वाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, करण कारक

(ii) राम ने श्याम को बुरी तरह मारा। रेखांकित का पद परिचय दीजिए । **1**

(क) संयुक्त क्रिया, स्त्रीलिंग, एकवचन, भूतकाल

(ख) सकर्मक क्रिया, पुल्लिंग, एकवचन, भूत काल

(ग) अकर्मक क्रिया, स्त्रीलिंग, बहुवचन, भूतकाल

(घ) मुख्य क्रिया, पुल्लिंग, बहुवचन, वर्तमान काल

(iii) जो परिश्रम करते हैं वे विद्यार्थी सदा सफल होते हैं। रचना के आधार पर वाक्य भेद है - 1

(क) संयुक्त (ख) मिश्रित

(ग) संकेतवाचक (घ) सरल

(iv) मैं स्टेशन पहुँचा और गाड़ी स्टेशन से चल पड़ी। रेखांकित वाक्य है । 1

(क) मिश्रित वाक्य (ख) संकेत वाचक

(ग) संयुक्त वाक्य (घ) विस्मयादि बोधक

7. (i) जब मैं छोटा था तब साइकिल चलाता था। रचना के आधार पर वाक्य भेद है - 1

(क) सरल (ख) संयुक्त

(ग) मिश्रित (घ) संदेह वाचक

(ii) निम्नलिखित में संयुक्त वाक्य है - 1

(क) अध्यापक ने बताया कि कल छुट्टी रहेगी (ख) आप चाय पीयेंगे या कॉफी

(ग) अरे ! तुम आ गए (घ) बच्चे मैदान में खेल रहे हैं

(iii) 'भानूदय ' का संधि विच्छेद है 1

(क) भानु + उदय (ख) भानू + उदय

(ग) भान + उदय (घ) भान् + उदय

(iv) 'परमेश्वर' की संधि है : 1

(क) पर + ईश्वर (ख) परम + ईश्वर

(ग) परमो + श्वर (घ) परः + ईश्वर

8. (i) ' स्वागत' में स्वर संधि का भेद है : 1

(क) गुण संधि (ख) दीर्घ संधि

(ग) यण संधि (घ) वृद्धि संधि

(ii) 'गगनचुंबी' समस्त पद का विग्रह है : 1

(क) गगन को चूमना (ख) गगन को चूमने वाला

(ग) गगन के लिए चूमना (घ) गगन को पकड़ना

(iii) नीला है जो कमल का समस्त पद है : 1

(क) नील कमल (ख) नीला कमल

(ग) कमल नील (घ) नील पंकज

(iv) निम्नलिखित में किस समस्तपद में तत्पुरुष समास है : **1**

(क) महादेव (ख) चरण कमल

(ग) त्रिभुवन (घ) पुस्तकालय

9. (i) प्रधानाचार्य ने विद्यालय में अनुशासनहीनता के कारण सभी विद्यार्थियों को ----------।
उपयुक्त मुहावरे से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए । **1**

(क) आड़े हाथों लिया (ख) आसमान सिर पर उठाया

(ग) आसमान एक किया (घ) आँखों में धूल झोंकी

(ii) वीर संतानों ने ------- देश की रक्षा की । **1**

(क) आकाश पाताल एक करना (ख) काम तमाम करना

(ग) सिर पर कफन बाँधकर (घ) खून पसीना एक करना

(iii) 'सुध - बुध खोने' मुहावरे का अर्थ है - **1**

(क) होश खोना (ख) बुद्धि खोना

(ग) सुधि खोना (घ) जान से हाथ धोना

(iv) 'तिल का ताड़ बनाना' लोकोक्ति का अर्थ है - **1**

(क) बड़ी बात को छोटा करके कहना (ख) तिल खाना

(ग) छोटी बात को बड़ा बनाना (घ) तिल को ताड़ पर रखना

खण्ड - 'ग'

10. किसी एक काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उचित विकल्प चुनकर लिखिए। **5**

सुखिया सब संसार है, खायै अरू सोवै ।
दुखिया दास कबीर है, जागै अरू रोवै ॥
पोथी पढ़ि पढ़ि जग मुवा, पंडित भया न कोइ ।
ऐकै अषिर पीव का, पढ़ै सु पंडित होई ॥

(i) कवि का नाम है :- **1**

(क) मीरा (ख) कबीर

(ग) सूरदास (घ) प्रेमचंद

(ii) कवि के अनुसार सुखी है :- **1**

(क) सारा संसार (ख) सांसारिक व्यक्ति

(ग) कवि स्वयं (घ) कवि भी, संसार भी

(iii) दुखी है :- **1**

(क) सांसारिक व्यक्ति (ख) अज्ञानी व्यक्ति

(ग) ज्ञानी व्यक्ति (घ) मेहनतकश व्यक्ति

(iv) कवि के अनुसार विद्वान् है :- **1**

(क) जो बहुत पढ़ता है (ख) जो कम पढ़ता है

(ग) जो धार्मिक ग्रन्थ पढ़ता है (घ) जो ईश्वर के प्रेम में डूबा रहता है

(v) 'पीव' शब्द का अर्थ है :- **1**

(क) भक्त (ख) प्रेम

(ग) ईश्वर (घ) प्रिय

अथवा

अब तो बहर हाल
छोटे लड़कों की घुड़सवारी से अगर यह फ़ारिग हो तो उसके ऊपर बैठकर
चिड़ियाँ ही अकसर करती हैं गपशप
कभी - कभी शैतानी में वे इसके भीतर भी घुस जाती हैं
खास कर गौरैयें
वे बताती हैं कि दर असल कितनी भी बड़ी हो तोप
एक दिन तो होना ही है उसका मुँह बंद ।

(i) छोटे लड़के तोप पर क्या करते हैं ? **1**

(क) फायरिंग (ख) घुड़सवारी

(ग) बैठते हैं (घ) कूदते हैं

(ii) चिड़ियाँ तोप का क्या लाभ उठाती हैं ? **1**

(क) इधर उधर की बातें (ख) गपशप करती हैं

(ग) भीतर घुस जाती हैं (घ) उपर्युक्त सभी

(iii) उपर्युक्त कविता में तोप किस शासक के शासन काल की बात कह रही है ? **1**

(क) अंग्रेज शासक (ख) तुलग शासक

(ग) मुगल शासक (घ) आधुनिक शासक

(iv) गौरैया क्या संदेश देती है ? **1**

(क) न्याय नहीं होगा (ख) मृत्यु निश्चित है

(ग) अन्याय का अंत होगा (घ) अन्याय का अंत नहीं होगा

(v) 'तोप ' पहले कैसी थी ? **1**

(क) शक्ति शाली (ख) बेकार

(ग) गंदी (घ) खूबसूरत

11. निम्नलिखित प्रश्नों में किन्ही दो के उत्तर संक्षेप में दीजिए। 2x2.5=5

(क) बड़े भाई साहब को मन की इच्छाएँ क्यों दबानी पड़ती हैं ?

(ख) कलकत्ता वासियों के लिए 26 जनवरी 1931 का दिन क्यों महत्वपूर्ण था ?

(ग) तताँरा ने वामीरो से क्या याचना की ?

(घ) शैलेन्द्र के अनुसार कलाकार का कर्तव्य क्या है ?

12. 'तीसरी कसम' फिल्म को कौन - कौन से पुरस्कारों से सम्मानित किया गया ? 5

अथवा

बड़े भाई साहब के अनुसार जीवन की समझ कैसे आती है ?

13. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए । 5

अस्पताल गए, लोगों को देखने से मालूम हुआ कि 160 आदमी तो अस्पतालों में पहुँचे और जो लोग घरों में चले गए, वे अलग हैं। इस प्रकार दो सौ घायल ज़रूर हुए हैं। पकड़े गए आदमियों की संख्या का पता नहीं चला, पर लाल बाज़ार के लॉकअप में स्त्रियों की संख्या 105 थी। आज तो जो कुछ हुआ वह अपूर्व हुआ है। बंगाल के नाम या कलकत्ता के नाम पर कलंक था कि यहाँ काम नहीं हो रहा है वह आज बहुत अंश में धुल गया और लोग सोचने लग गए कि यहाँ भी बहुत सा काम हो सकता है।

(क) लेखक एवम् पाठ का नाम बताएँ ? 1

(ख) बंगाल के बारे में लोगों की क्या धारणा थी ? 2

(ग) कितनी स्त्रियाँ पकड़ी गईं एवम् बंगाल के बारे में बाद में क्या धारणा हो गई ? 2

अथवा

हमारी फ़िल्मों की सबसे बड़ी कमज़ोरी होती है, लोक तत्व का अभाव। वे ज़िंदगी से दूर होती है। यदि त्रासद स्थितियों का चित्रांकन होता है तो उन्हें ग्लोरीफ़ाई किया जाता है। दुख का ऐसा वीभत्स रुप प्रस्तुत होता है जो दर्शकों का भावनात्मक शोषण कर सके। और 'तीसरी कसम' की यह खास बात थी कि वह दुःख को भी सहज स्थिति में, जीवन सापेक्ष प्रस्तुत करती है। मैंने शैलेन्द्र को गीतकार नहीं, कवि कहा है। वे सिनेमा की चकाचौंध के बीच रहते हुए यश और धन - लिप्सा से कोसों दूर थे। उनके गीतों में सिर्फ़ करुणा नहीं, जूझने का संकते भी था और वह प्रक्रिया भी मौजूद थी जिसके तहत अपनी मंज़िल तक पहुँचा जाता है। व्यथा आदमी को परास्त नहीं करती, उसे आगे बढ़ने का संदेश देती है।

(क) हमारी फिल्मों में किसे ग्लोरीफाई किया जाता है और क्यों ? 2

(ख) लेखक ने शैलेन्द्र के गीतों की क्या विशेषता बताई है ? 2

(ग) हिन्दी फिल्मों की सबसे बड़ी कमी क्या है ? 1

14. (क) अपने स्वभाव को निर्मल रखने के लिए कवि ने क्या उपाय सुझाए । 2

(ख) मीरा बाई कृष्ण को पाने के लिए क्या - क्या करने को तैयार हैं ? 2

(ग) पर्वत प्रदेश में पावस झरने कविता में किसका गौरव गान कर रहे हैं ? 1

15. हरिहर काका को जबरदस्ती उठाने वाले कौन थे ? उन्होंने उनके साथ कैसा बर्ताव किया ? 3

अथवा

हरिहर काका के मामले में गाँव वालों की क्या राय थी और उसके क्या कारण थे ?

16. यदि आपके आसपास हरिहर काका जैसी हालत में कोई हो तो आप उसकी किस प्रकार मदद करेंगे 2

खण्ड - घ

17. दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग **100** शब्दों में एक अनुच्छेद लिखें - 5

(क) पर्यावरण :

- वन और पर्यावरण
- प्रदूषण निवारण में सहायक
- वनों की अन्य उपयोगिता
- वन संरक्षण की आवश्यकता

(ख) सच्चा मित्र :

- जीवन की सरसता के लिए मित्र की आवश्यकता
- सच्चे मित्र की पहचान
- सच्चा मित्र मिलना सौभाग्य की बात
- दुःख सुख का साथी

(ग) स्वास्थ्य और व्यायाम :

- स्वस्थ तन - मन के बिना जीवन जटिल
- अच्छे स्वास्थ्य के लिए अपेक्षित कार्यक्रम
- शारीरिक एवम् मानसिक स्वास्थ्य एवम् व्यायाम
- व्यक्ति से स्वस्थ समाज का निर्माण

18. नगर निगम के स्वास्थ्याधिकारी को पत्र लिखकर जल संकट से सम्बन्धित समस्या के समाधान की प्रार्थना कीजिए । 5

अथवा

आपकी परीक्षाएँ नजदीक हैं अतः कुछ जरूरी पुस्तकें मँगवाने के लिए पुस्तक विक्रेता को पत्र लिखिए ।

- o O o -